आगरा सी.आई.आई. सहभागिता सम्मेलन

उत्तर प्रदेश पहली बार विश्वस्तरीय सहभागिता सम्मेलन की मेजबानी करेगा

- *प्रदेश को निवेश केन्द्र एवं पर्यटन गंतव्य के रूप में प्रोत्साहन मिलेगा*
- *विश्व के नेता, उद्यमी, विशेषज्ञ व नीति निर्धारक लेंगे भाग*

लखनऊ, 07 जनवरी 2013

अतुलनीय ऐतिहासिक धरोहर ताजमहल शीघ्र ही गवाह होगा उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा लिये जाने वाले एक बड़े कदम का, जिससे राज्य में निवेश व उद्यम के माहौल को सुगम बनाने में सहायता मिलेगी। **उत्तर प्रदेश आगरा में 27 से 29 जनवरी 2013 तक आयोजित होने वाले विश्वस्तरीय 'सहभागिता सम्मेलन 2013' की मेजबानी करेगा।** भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के सहयोग से कान्फिडरेशन ऑफ इण्डियन इन्डस्ट्री **(सी.आई.आई.)** द्वारा प्रत्येक वर्ष आयोजित किए जाने वाले इस फ्लैगशिप पार्टनरशिप सम्मिट की **विषय–वस्तु (थीम) इस वर्ष 'ग्लोबल पार्टनरशिप्स फॉर इन्ड्योरिंग ग्रोथ'** होगी।

इस तीन दिवसीय सम्मेलन के दौरान उत्तर प्रदेश केन्द्रित सत्रों और उद्येश्यों पर आज यहाँ आयोजित एक प्रेस–वार्ता **में अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त (आईआईडीसी) अनिल कुमार गुप्ता ने बताया** कि समेकित सामाजिक–आर्थिक विकास हेतु आवश्यक अनवरत औद्योगिक व उद्यम विकास के लिए जरूरी उच्च–स्तरीय एवं विस्तृत संवाद हेतु एक नेटवर्किंग मंच मिलेगा। इसमें कई देशों के मंत्री और अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, रूस और स्पेन आदि देशों के उद्यम व व्यापारिक प्रतिनिधिमण्डलों सहित उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्य सचिव व अन्य वरिष्ठ अधिकारी सक्रिय प्रतिभाग करेंगे। उन्होंने बताया कि अब तक 83 विदेशी व्यापारिक प्रतिनिधिमण्डलों ने इस सम्मेलन में भाग लेने हेतु स्वीकृति प्रदान कर दी है।

आईआईडीसी ने बताया– *"माननीय मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव स्वयं इस सम्मेलन में 28 जनवरी को उत्तर प्रदेश के विशेष सत्र – "उत्तर प्रदेश–द लैण्ड ऑफ अपॉरचुनिटीज़ (उत्तर प्रदेश–अवसरों का भूमि)" की अध्यक्षता कर इस प्रयास का शुभारम्भ करेंगे। साथ ही इस सम्मेलन में हाल ही में राज्य सरकार द्वारा घोषित उद्योगों व निवेश को प्रोत्साहित करने वाली विभिन्न नीतियों के पैकेज का विमोचन भी मुख्यमंत्री जी द्वारा प्रस्तावित है।"*

आईआईडीसी ने कहा, *"भाग लेने वाले विश्व के नेताओं, निवेशकों, उद्यमियों और नीति–निर्धारकों को प्रदेश में उद्यम एवं आर्थिक विकास को बढ़ावा देने वाली राज्य सरकार द्वारा कई क्षेत्रों के विकास के लिए तैयार की गई नवीन नीतियों के विषय में तथा उत्तर प्रदेश में उपलब्ध अथाह संसाधनों व सम्भावनाओं के बारे में अवगत कराने का यह उत्तम अवसर होगा।"*

सूचित किया गया कि उत्तर प्रदेश पर आधारित विशेष सत्र, 'उत्तर प्रदेश–द लैण्ड ऑफ अपॉरचुनिटीज़' के पश्चात उत्तर प्रदेश केन्द्रित समानान्तर सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिनमें अवस्थापना, कृषि व खाद्य प्रसंस्करण और कपड़ा व चमड़ा उद्योग पर प्रकाश डाला जाएगा। इन समानांतर सत्रों में अवस्थापना में निवेश के अवसर तथा नीति–सुधार द्वारा उत्तर प्रदेश में निवेश व उद्यम के अवसरों के सृजन पर विचार–विमर्श होगा।

कई बड़े औद्योगिक घराने, जैसे एचसीएल, एबीजी, जुबिलेंट ऑर्गेनोसिस, जेपी, रिलायंस, एल एण्ड टी, लैन्को, सैमसंग, आदि सहित उद्योग व अर्थ से संबंधित प्रख्यात बुद्धिजीवी व विशेषज्ञ भी इस सम्मेलन में भाग लेंगे।

उत्तर प्रदेश में प्रस्तावित अनेक प्रमुख अवस्थापना एवं औद्योगिक परियोजनाओं, जैसे– मेगा लेदर क्लस्टर्स, आईटी सिटी और पार्क, डेयरी परियोजनायें, सड़क व एक्सप्रेसवे, आगरा व कुशीनगर में अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे, दिल्ली–मुम्बई इण्डस्ट्रियल कॉरीडोर व डेडीकेटेड फ्रेट कॉरीडोर के तहत विभिन्न परियोजनायें, अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, पर्यटन उद्योग आदि को भी थीम आधारित प्रस्तुतिकरणों के माध्यम से प्रदर्शित किया जाएगा।

राज्य सरकार ने इस सम्मेलन के सफल आयोजन के लिए विस्तृत योजना बनाई है जिसके तहत कई समितियाँ गठित कर समयबद्ध कार्य किया जा रहा है।

सी.आई.आई. स्टेट काउंसिल के पूर्व चेयरमैन किरन चोपड़ा ने बताया कि पार्टनरशिप सम्मिट का यह 19वाँ संस्करण होगा। 'ग्लोबल पार्टनरशिप्स फॉर इन्ड्योरिंग ग्रोथ' विषय पर उद्घाटन सत्र के अतिरिक्त इस सम्मेलन में विभिन्न विषयों पर सात प्लेनरी सत्र भी आयोजित किए जाएंगे, जिनमें– 'द लार्ज इमर्जिंग इकोनॉमीज़ः न्यू ग्रोथ हब्स ऑफ द वर्ल्ड', 'द न्यू इमर्जिंग ग्लोबल इकोनॉमिक ऑर्डरः रोल ऑफ डेवलप्ड नेशन्स', 'साउथ एशिया इकोनॉमिक इण्टीग्रेशनः ऑन ए न्यू पाथ ऑफ प्रोग्रेस एण्ड होप', 'रैपिडली इमर्जिंग ग्लोबल वैल्यू चेन्सः व्हेयर डू डेवलपिंग इकोनॉमीज़ फिट इन', 'आरसीइपीः टूवर्ड्स क्रियेटिंग द वर्ल्ड्स लार्जेस्ट ट्रेडिंग ब्लॉक', 'इण्डिया एण्ड अफ्रीकाः रीडिफाइनिंग पार्टनरशिप्स इन द 21st सेन्चुरी', 'रीबिल्डिंग ग्लोबल इकॉनोमिक गवर्नेंसः रोल ऑफ जी 20' विषयों पर संवाद होगा।